उत्पत्ति अध्याय ४०
यूसुफ बन्दीगृह में

- यूसुफ २८ वर्ष का है
- क्या यूसुफ ने उन पुराने स्वप्नों को अब भी सत्य माना?
- प्याला ढालनेवाला और रोटी पकानेवाला उच्च पदों पर थे
- वह साधारण बन्दीगृह में नहीं, वरन् पहरूओं के सेनापति के घर में रखा गया था

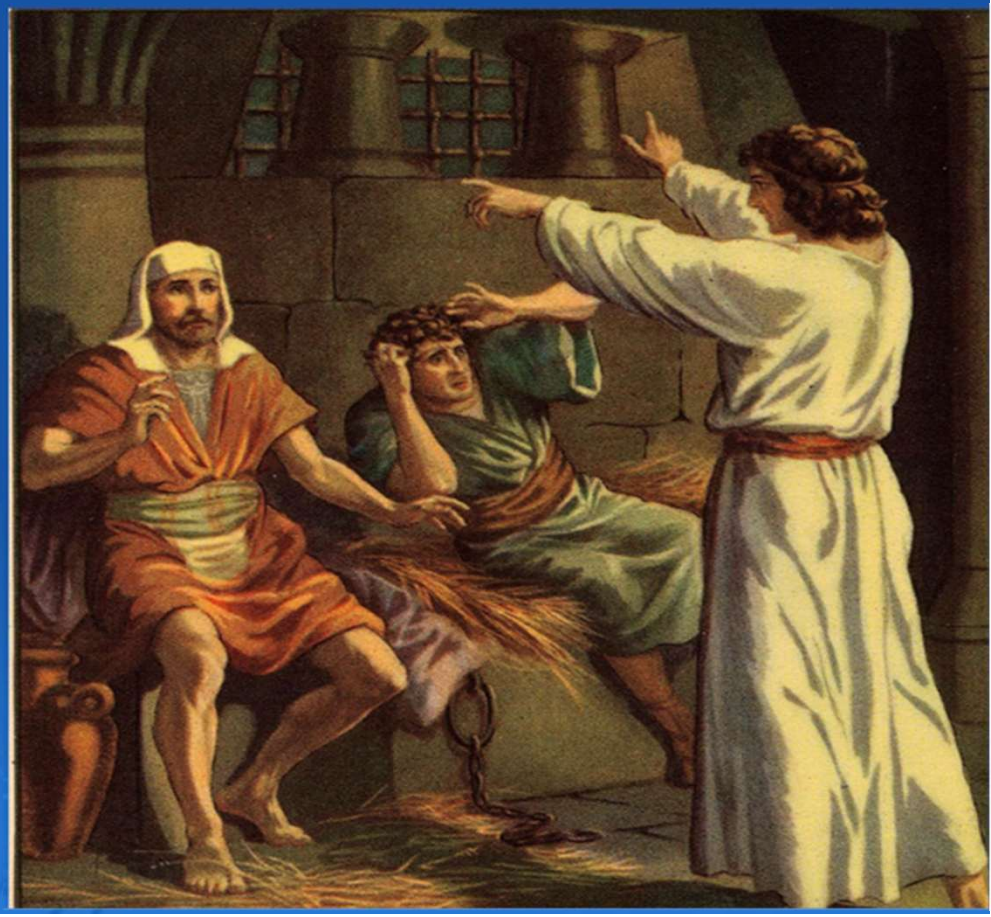

प्रधान रसोइया और पिलाने वाला

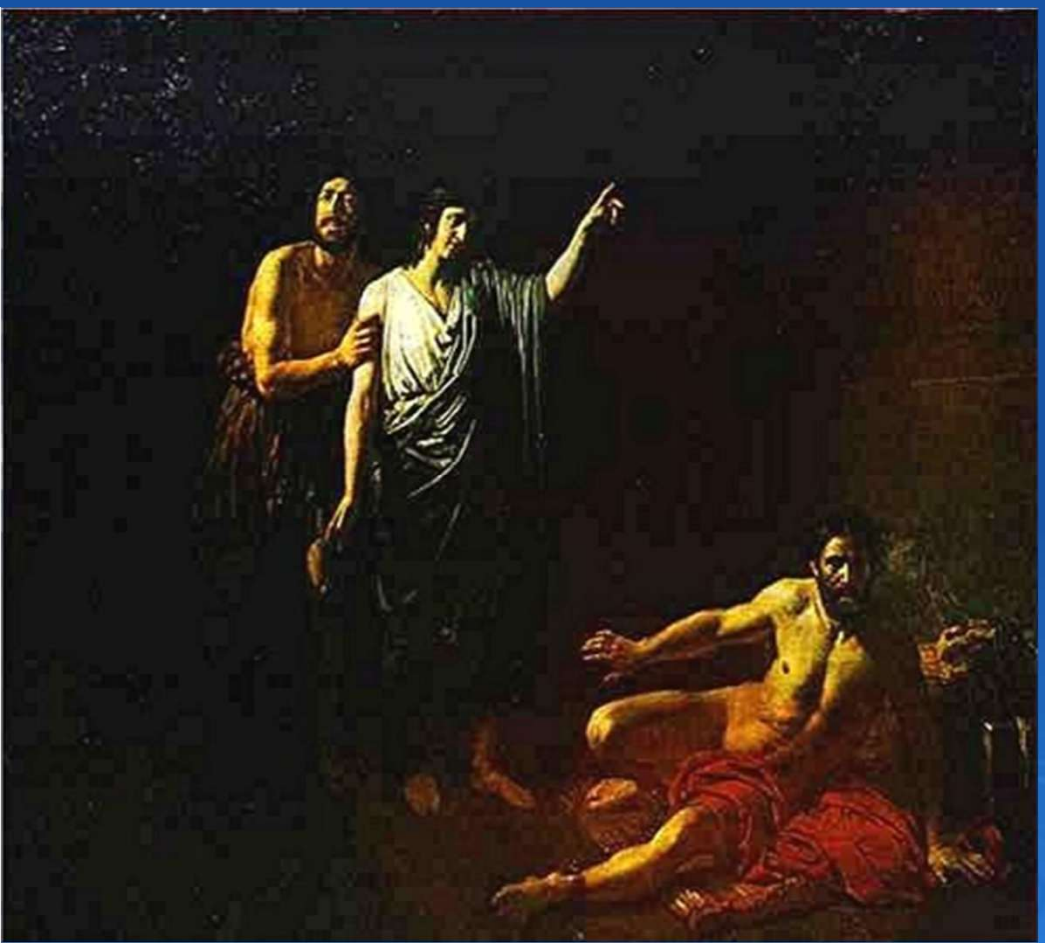

- स्वप्न एक बार फिर दृश्य में प्रवेश करते हैं
- वे पुरुष व्याकुल थे क्योंकि उनके पास कोई दर्शी उपलब्ध न था
- पिलाने वाला पहले जाता है
- शुभ समाचार: ३ दिनों के भीतर वह अपने पद पर पुनः स्थापित किया जाएगा
- रसोइये के लिए शोक का समाचार: ३ दिनों में वह मार डाला जाएगा

मिस्री पुरुष सिर पर टोकरियाँ ढोते थे

- स्त्रियाँ टोकरियाँ कमर पर या कंधे पर ढोती थीं
- मिस्री लोग पूर्वी संस्कृतियों के विपरीत ढंग से टोकरियाँ ढोते थे
- यूसुफ ने प्याला ढालनेवाले से विनती की कि वह उसे याद रखे
- प्याला ढालनेवाला यूसुफ को भूल गया

उत्पत्ति ४१ हिक्सोस

- यूसुफ के समय में शेमवंशियों का मिस्र पर शासन था
- फिरौन मिस्री नहीं था, वरन् वह एक शेमी था
- इस्राएल मिस्र में बहुत समय तक स्वतंत्र और समृद्ध रहा

- मानेथो, मिस्री इतिहासकार
- विजेता शेमी राजा जिसका नाम सालिटिस था
- मिस्र इन असभ्य झुंडों द्वारा रौंदे जाने से अपमानित हुआ
- ईश्वरीय विधान ने यूसुफ को शक्ति और पद पर उठने दिया

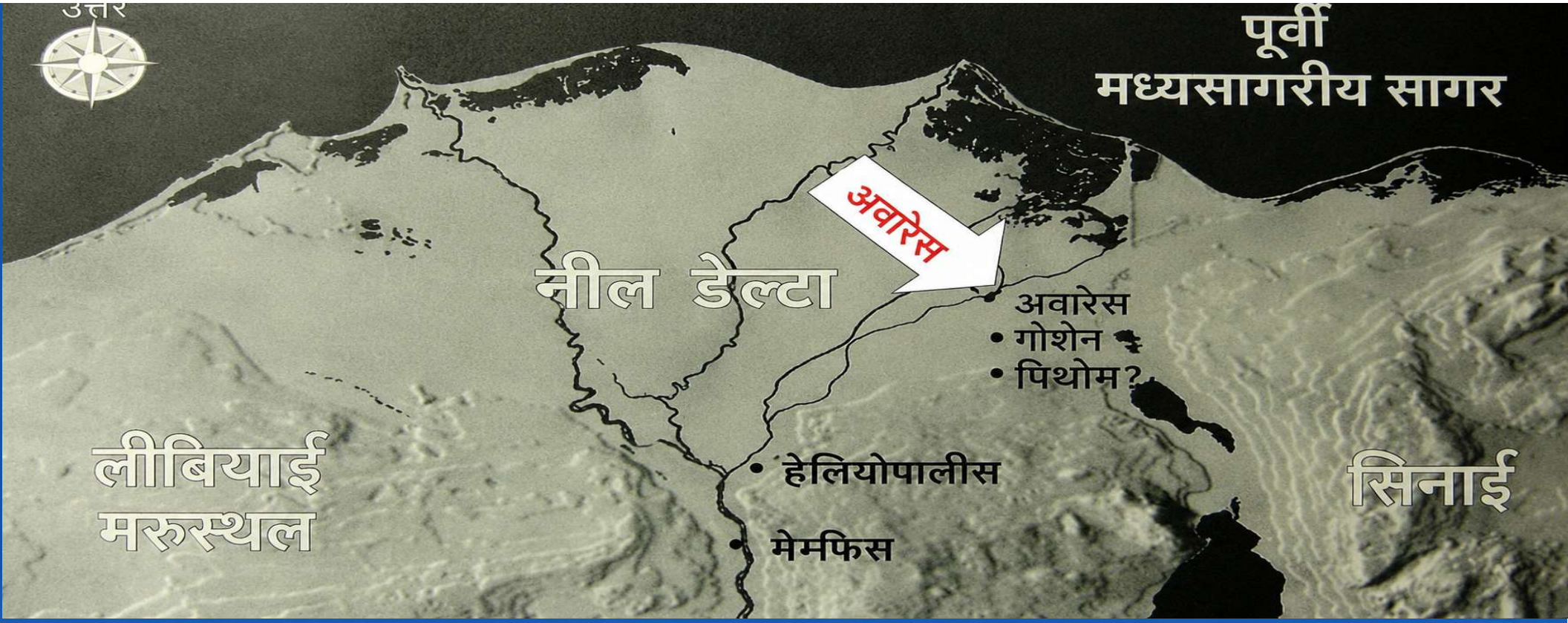

- अवारिस इब्रानियों का निवास स्थान बन गया
- यह गोशेन में स्थित था
- सालिटिस ने वहाँ २,४०,००० सैनिक तैनात किए

- मध्य पूर्व एशिया महाद्वीप में है
- मध्य पूर्व के लोग एशियाई / पूर्वी हैं
- शेमी लोग शेम (नूह का पुत्र) से उत्पन्न हुए
- हिक्सोस बेदुईन / शेमी / पूर्वी / एशियाई थे

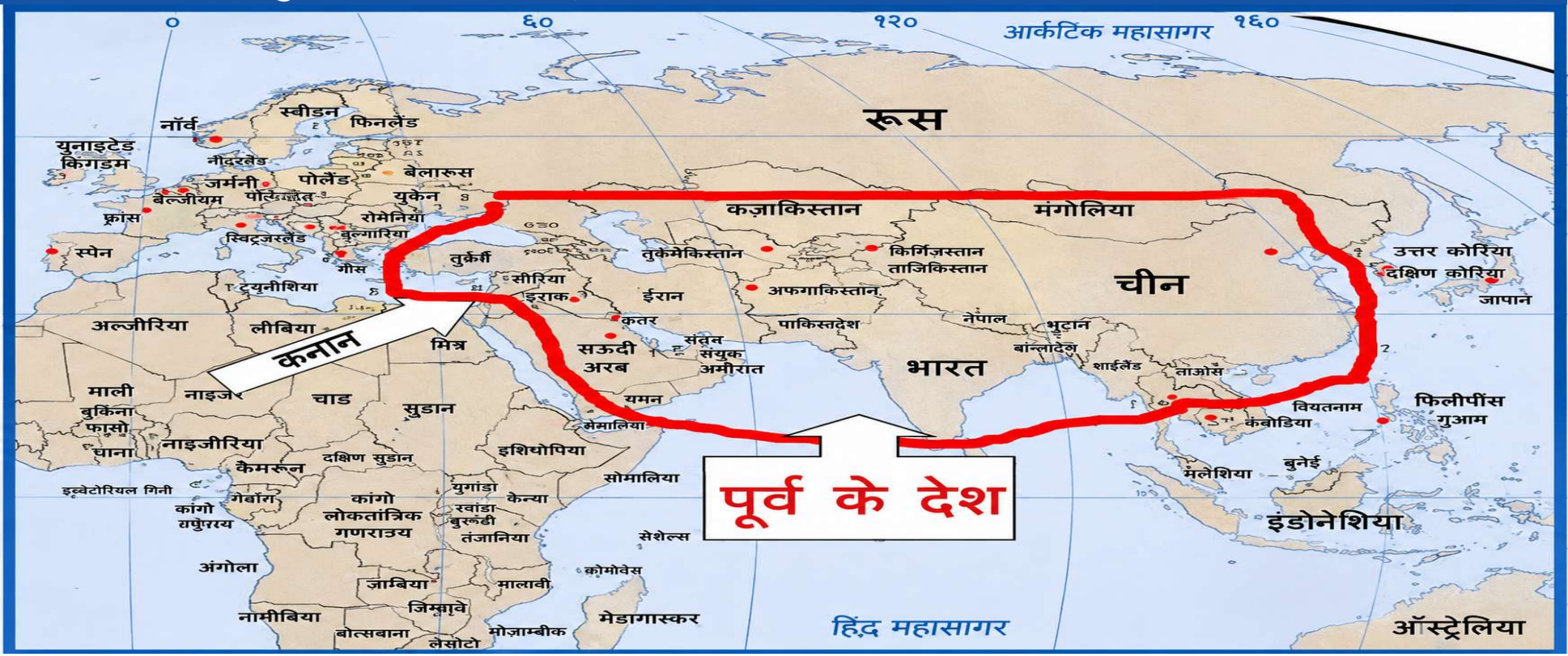

फिरौन के स्वप्न

- यूसुफ अब ३० वर्ष का है
- स्वप्न फिरौन को व्याकुल करते हैं क्योंकि वे बहुत वास्तविक प्रतीत होते हैं
- वह अपने जादूगरों को बुलाता है, जो वास्तव में उसके बुद्धिजीवी मंडल हैं
- रहस्यमय बाबुल धर्म मिस्री जीवन का अंग था
- बुद्धिमान पुरुष ही बुद्धिजीवी थे
- उसके लोग उन स्वप्नों का अर्थ नहीं बता सके

यूसुफ फिरौन के स्वप्नों का अर्थ बताता है

- यूसुफ स्वीकार करता है कि वह नहीं, वरन् परमेश्वर ही अर्थ बताता है
- भविष्यसूचक स्वप्न
- पहला स्वप्न: गायें
- ७ स्वस्थ, ७ रोगी
- दूसरा स्वप्न: अनाज (मक्का)
- ७ स्वस्थ, ७ रोगी
- ७ समृद्ध वर्ष, फिर ७ अकाल के वर्ष

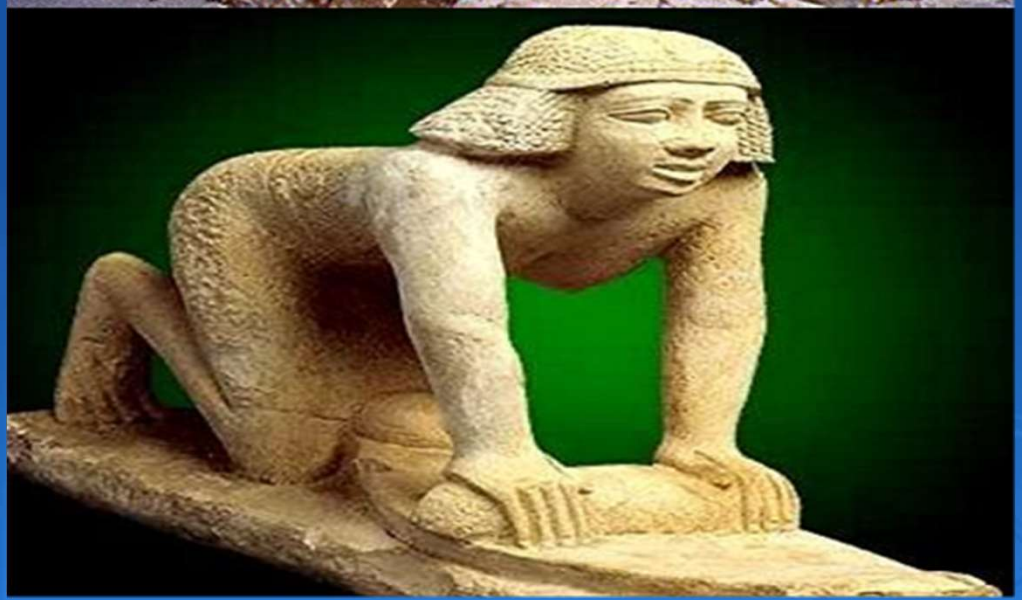

अकाल की योजना

- समस्त उपज का २०% संग्रह किया जाए
- लोग प्रसन्न नहीं थे क्योंकि वे अपनी समृद्धि का आनंद नहीं ले सके
- क्या यह हिक्सोस की योजना थी, जिसे यूसुफ ने लोगों से धन लेने के लिए चलाया?
- फिरौन ने विश्वास रखा!!
- हमारी प्रचुरता का समय अब है
- आगे हमारी सबसे बड़ी परीक्षा है
- हम सत्य जानते हैं और इसे ध्यान से मानना चाहिए

यूसुफ वज़ीर

- फिरौन यूसुफ को राष्ट्र का शासन चलाने के लिए चुनता है
- यूसुफ का मिस्री नाम: साफनत-पानेह
- इसका अर्थ मिस्री भाषा में: “जो जीवन कहलाता है”
- नाम प्रतिष्ठा और पद का सूचक होता था

यूसुफ को पत्नी दी जाती है

- पत्नी आसेनत है, जो ओं के महायाजक की पुत्री थी
- ओं सूर्य-देव रे का मंदिर था
- ओं को हेलियोपोलिस भी कहा जाता था
- यूसुफ से दो पुत्र उत्पन्न हुए: एप्रैम और मनश्शे
- ये मिस्री बच्चे हैं
- यूसुफ मिस्र को मित्र और नया निवास स्थान समझता है

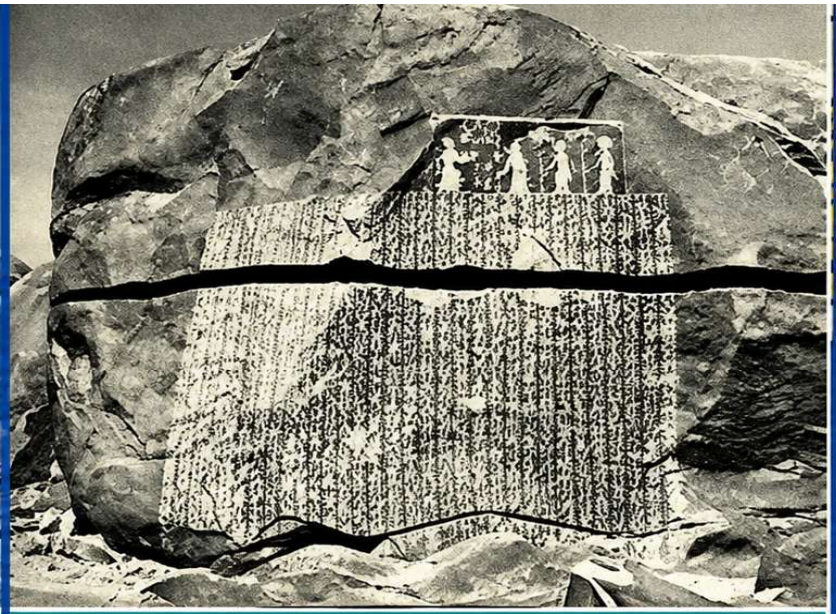

सात वर्ष के अकाल का लेख

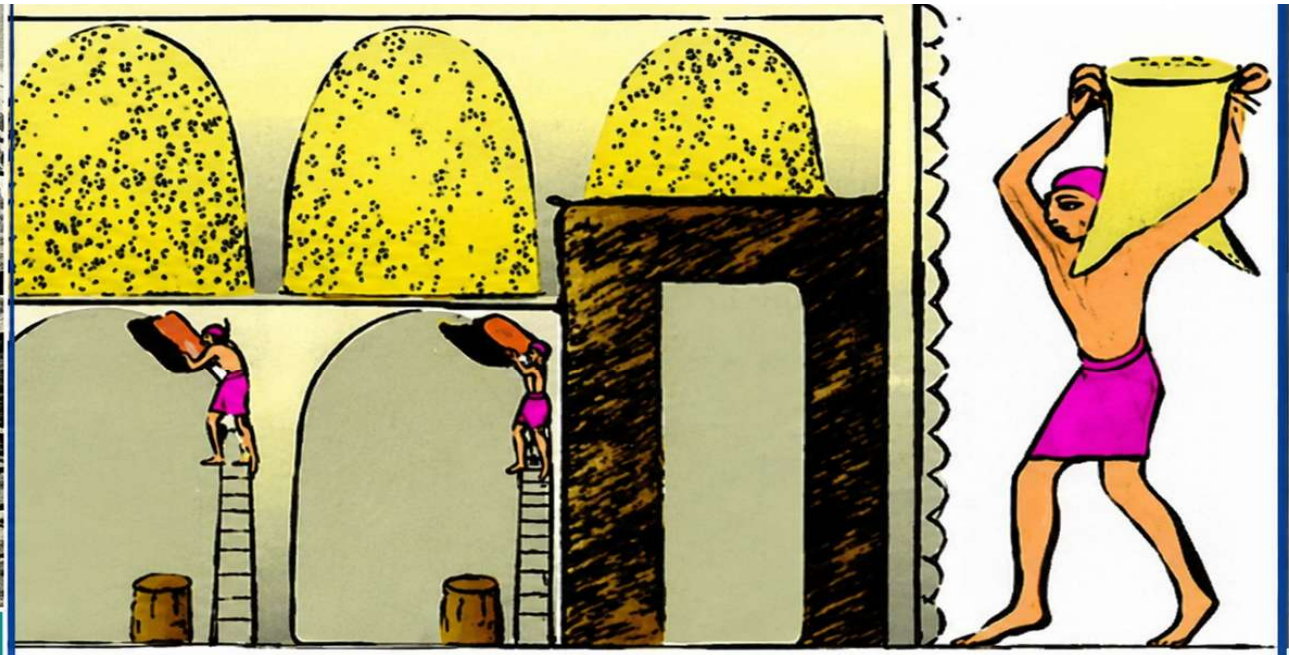

मिस के भूमिगत अनाज भण्डार

- अकाल पड़ जाता है
- यह संसार-व्यापी अकाल नहीं था, मुख्यतः मध्य पूर्व में था
- पनीम ऑफ द एरेत्ज़ = भूमि का मुख
- संगृहीत अनाज लोगों को वापस बेचा गया
- लोगों के पास धन समाप्त हो गया, वे भोजन के लिए फिरौन के दास बन गए

यूसुफ: अगुवा पुरुष

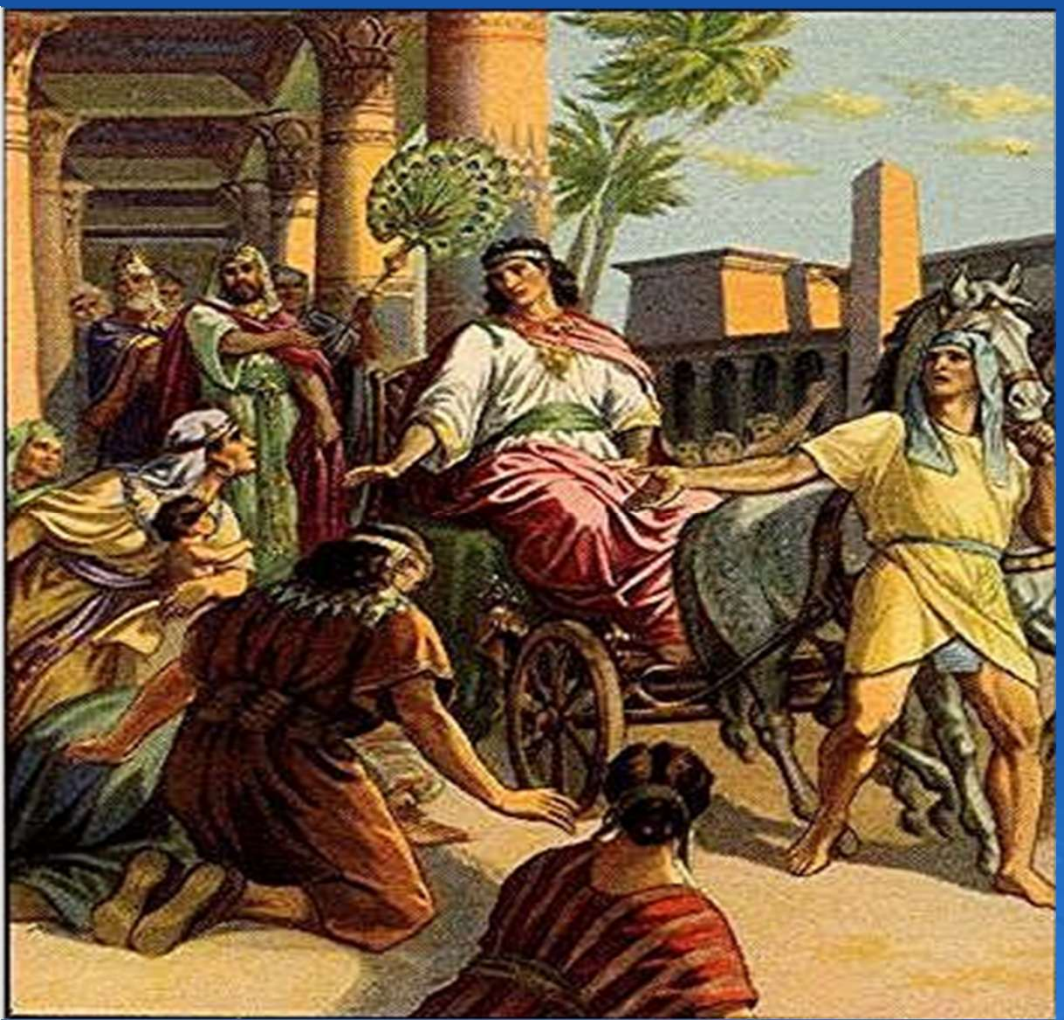

- यूसुफ को श्रेय और दोष दोनों प्राप्त हुए!
- यही यूसुफ की योजना थी जिसके द्वारा अनेक मिस्री हिक्सोस शासकों (परदेशियों) के दासत्व में आ गए।
- मिस्रियों की दीर्घकालीन कटुता के कारण इस्राएलियों को दास बना लिया गया।